डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद

पाठ्यक्रम : 2018-19 से तथा आगे के लिए

राष्ट्रगौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन

(संशोधित एवं परिवर्द्धित पाठ्यक्रम 2009)

कुल प्रश्न : 100
कुल अंक : 100
उत्तीर्ण अंक 33 प्रतिशत
समय सीमा : 02 घण्टा

खण्ड-क : राष्ट्रगौरव

कुल प्रश्न : 40
कुल अंक : 40

1. राष्ट्रगौरव : अभिप्राय, अवधारणा एवं मूल तत्त्व।
2. भारतीय समाज एवं सभ्यताएँ : वैदिक तथा सिंधुघाटी सभ्यता, उत्तर वैदिक कालीन समाज, आधुनिक राष्ट्र-राज्य।
3. भारतीय संस्कृति एवं सांस्कृतिक चेतना के स्रोत (प्रमुख मत, एवं ग्रन्थ) : वैदिक एवं उत्तर वैदिक धर्मशास्त्र, रामायण, महाभारत, श्रीमद्भगवद्गीता, जैनमत, बौद्धमत, सिखमत, भक्ति एवं सूफीमत, स्वातन्त्र्योत्तर सांस्कृतिक चिंतक।
4. भारतीय संगीत एवं ललित कलाएँ : स्वरूप एवं उदाहरण।
5. प्राचीन भारतीय विज्ञान : वैदिक गणित, चिकित्साविज्ञान , भूगोल तथा खगोलशास्त्र।
6. आधुनिक भारतीय पुनर्जागरण एवं राष्ट्रीय आन्दोलन : पंडिता रमाबाई, सावित्री बाई फुले, स्वामी दयानन्द सरस्वती, स्वामी विवेकानन्द, रवीन्द्र नाथ ठाकुर, राजा राम मोहन राय, काजी नजरूल इस्लाम, सुब्रह्मण्यम भारती, बाल गंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, भीमराव अम्बेडकर तथा डॉ० राम मनोहर लोहिया।
7. राष्ट्र गौरव के बाधक कारक : वैश्विक बाजारवादी संस्कृति का दबाव, जातीय एवं साम्प्रदायिक संकीर्णता तथा ध्रुवीकरण, सर्वधर्मसमभाव की भावना का ह्रास एवं भारतीय त्यागपूर्ण जीवन-दृष्टि की उपेक्षा।

खण्ड- ख : पर्यावरण अध्ययन

कुल प्रश्न : 30
कुल अंक : 30

1. पर्यावरण अध्ययन : अवधारणा, पर्यावरणीय जागरूकता की आवश्यकता एवं महत्व।
2. प्राकृतिक संसाधन एवं पर्यावरण प्रदूषण (जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, नाभिकीय प्रदूषण, रासायनिक प्रदूषण, ई-प्रदूषण), जलवायु-परिवर्तन एवं पर्यावरण संरक्षण तथा संधृत विकास।
3. भारतीय साहित्य एवं परम्पराओं में पर्यावरणीय जागरूकताबोध तथा उसके उदाहरण।

खण्ड- ग : मानवाधिकार अध्ययन

कुल प्रश्न : 30
कुल अंक : 30

1. मानवाधिकार : अवधारणा एवं विकास।
2. भारतीय संविधान के आलोक में मानवाधिकार : मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम (1993)।
3. राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं राज्य मानवाधिकार आयोग : सामान्य परिचय एवं कार्य पद्धति, विधि-व्यवस्था तथा संप्रयोग।

पाठ्यपुस्तक: राष्ट्र गौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार
सम्पादक: डॉ० प्रभाकर मिश्र लेखक: प्रो० अनन्त मिश्र, डॉ० कौस्तुभ नारायण मिश्र, प्रो० सञ्जय गुप्त

डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद की पाठ्यक्रम-समिति ने उपसमिति की निम्नांकित अनुशंसाओं को स्वीकार किया:-

1. स्नातक स्तर (कला, विज्ञान, वाणिज्य, एवं कृषि वर्ग) के प्रत्येक विद्यार्थी के लिए "राष्ट्र गौरव, पर्यावरण एवं मानवाधिकार अध्ययन" पाठ्यक्रम का अध्ययन अनिवार्य होगा। विद्यार्थी को स्नातक द्वितीय वर्ष में इस पाठ्यक्रम की परीक्षा को उत्तीर्ण (कम से कम 33% अंक सहित) कर लेना आवश्यक होगा किन्तु इस पाठ्यक्रम के प्राप्तांक मुख्य विषयों के प्राप्तांको के साथ श्रेणी आदि के निर्धारण में नहीं जोड़े जायेंगे।
2. इस पाठ्यक्रम में 100 अंक का एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें तीन खण्ड होंगे।
3. पाठ्यक्रम में विभिन्न विषयों के समाविष्ट होने के कारण किसी एक परीक्षक के लिए यह सम्भव नहीं है कि वह पूरे प्रश्नपत्र का मूल्यांकन एक जैसी विशेषज्ञता के साथ कर सके। अतः इसका मूल्यांकन कम्प्यूटर से कराया जायेगा।
4. पाठ्यक्रम के व्यापक क्षेत्र एवं विविधता के दृष्टिगत यह उचित होगा कि विविध क्षेत्रों के विशिष्ट व्यक्तियों/विशेषज्ञों के नियमित व्याख्यानों के माध्यम से भी विद्यार्थी को इस पाठ्यक्रम से परिचित कराया जाये।
5. 100 बहुविकल्पीय (Multiple-Choice) प्रश्न रहेंगे जिसका उत्तर OMR Answer Sheet में H.B Pencil या बॉल पेन (नीला/काला) से दिया जायेगा ~~जिससे कम्प्यूटर के माध्यम से आसानी और शीघ्रता से Answer Sheet की जाँच करायी जा सकेगी।~~

26/3/18
26.3.18

सन्दर्भ-ग्रन्थ

1. भारतीय संस्कृति का विकास (दो भाग) : डॉ० मंगलदेव शास्त्री।
2. हिन्दू संस्कृति में राष्ट्रवाद : डॉ० राधा कुमुद मुखर्जी।
3. संस्कृति संगम : आचार्य क्षिति मोहन सेन।
4. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह 'दिनकर'।
5. State and Government in Ancient India : Anant Sadashiv Altekar.
6. धर्मशास्त्र का इतिहास : पी० वी० काणे।
7. मूल्य मीमांसा : गोविन्द चन्द्र पाण्डेय।
8. भारतीय दर्शन की रूपरेखा : एम० हिरियन्ना।
9. भारतीय दर्शन का इतिहास : डॉ० सुरेन्द्रनाथ दासगुप्त।
10. A Constructive Survey of Upnishadic Philosophy: R. D. Ranade.
11. गीता रहस्य : लोकमान्य तिलक।
12. भारतीय राष्ट्रवाद की सामाजिक पृष्ठभूमि : ए० आर० देसाई।
13. हिन्दू राजतन्त्र : काशी प्रसाद जायसवाल।
14. राष्ट्रीयता और समाजवाद : आचार्य नरेन्द्र देव।
15. दर्शन, धर्म तथा समाज : प्रो० राजाराम शास्त्री।
16. भारतीय स्थापत्य : डॉ० द्विजेन्द्र नाथ शुक्ल।
17. प्राचीन भारत के इतिहासकार : डॉ० भगवान सिंह।
18. वैदिक एवं हड़प्पाकालीन संस्कृति : डॉ० भगवान सिंह।
19. हजारी प्रसाद द्विवेदी ग्रन्थावली : राधाकमल प्रकाशन।
20. प्राचीन भारतीय वैज्ञानिक : प्रो० गुणाकर मुले।
21. State of India's Environment: Sunita Narain.
22. Environment and Ecology: R. Rajgopalan.
23. Environmental Pollution and Waste Management: H. D. Kumar.
24. आधुनिक जीवन और पर्यावरण : दामोदर शर्मा।
25. मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा और भारत की विधि : ब्रजकिशोर शर्मा।
26. Introduction of Human Rights: Dr. Lalita Sharma.
27. मानवाधिकार : डॉ० धरम सिंह।
28. मानव अधिकार एवं अन्तर्राष्ट्रीय विधि : डॉ० एस० के० कपूर।
29. पर्यावरण एवं संविकास : जगदीश सिंह।
30. Environmental Science: William P. Cunnigham.
31. मानव अधिकार : एच.ओ. अग्रवाल।
32. पर्यावरण शिक्षा : एम० के० गोयल।
33. लोक और लोक का स्वर : विद्यानिवास मिश्र
34. वेद महत्त्वम् : डॉ० राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय

विशेष : विभिन्न धर्मों के मूलग्रन्थों (जैसे वेद, उपनिषद्, सूत्र-साहित्य, आर्ष काव्य एवं पुराण, त्रिपिटक, जैनागम, गुरूग्रन्थसाहिब, आदि) और संत-साहित्य तथा राष्ट्रोन्नायक महापुरुषों से सम्बद्ध साहित्य का अनुशीलन अपेक्षित है।